सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 486
29/06/2018

विश्वविद्यालयों में सी॰बी॰सी॰एस॰ एवं 'बी॰एड॰ एप्स' के क्रियान्वयन तथा खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास पर राजभवन में कार्यशाला एवं बैठक हुई

पटना, 29 जून 2018 ::– कल आयोजित होनेवाली 'कुलपतियों की नियमित मासिक बैठक' के पूर्व आज राजभवन सभाकक्ष में एक कार्यशाला एवं बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी कुलपतियों, विश्वविद्यालयों के नोडल पदाधिकारियों आदि ने भाग लिया। इसमें सी॰बी॰सी॰एस॰ एवं बी॰एड॰ एप्स के क्रियान्वयन तथा विश्वविद्यालयों में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास, वृक्षारोपण आदि पर विचार हुआ।

आज आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बी॰एड॰ कॉलेजों में नियमित वर्ग–संचालन, कक्षा में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, स्टाफ रूम में शिक्षकों की मौजूदगी आदि के बारे में 'एप्स' (APPS) के जरिये 'रिपोर्टिंग सिस्टम' विकसित किया जाना है। कार्यशाला में यह अपेक्षा की गई कि सभी विश्वविद्यालय अपने कार्य क्षेत्र में संचालित बी॰एड॰ कॉलेजों की 'एप्स रिपोर्टिंग' पर अपने विश्वविद्यालय में भी शीघ्र ही कार्यशाला आयोजित करेंगे।

कार्यशाला में आधुनिकीकृत सी॰बी॰सी॰एस॰ के मॉडल पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन पर भी चर्चा हुई। ज्ञातव्य है कि विगत 12 जून से आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत विषय– विशेषज्ञों ने सभी विषयों के सी॰बी॰सी॰एस॰ के मॉडल पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है। सी॰बी॰सी॰एस॰ से जुड़ी आज की कार्यशाला में सभी कुलपतियों के समक्ष पटना विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति डॉ॰ डॉली सिन्हा ने प्रेजेन्टेशन देते हुए सी॰बी॰सी॰एस॰ पाठ्यक्रम के बारे में व्यापक जानकारी दी। उन्होंने Core Courses, Elective Courses, Generic Elective Courses, Discipline Specific Courses तथा Activity Enhancement Courses आदि के बारे में व्यापक जानकारी दी।

इसके अतिरिक्त दूसरे सत्र में आयोजित एक बैठक में विश्वविद्यालयों में खेलकूद की गतिविधियों के विकास तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आदि पर भी विचार हुआ। बैठक में कला–संस्कृति एवं युवा विभाग के छात्र एवं युवा कल्याण निदेशक श्री संजय सिंह ने एक प्रजेन्टेशन दिया, जिसके माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्त्वपूर्ण खेलकूद योजनाओं की जानकारी दी गई। निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालयों के संसाधनों, कार्यबल, आधारभूत संरचना आदि का उपयोग करते हुए यहाँ भी खेलकूद की गतिविधियाँ विकसित की जा सकती हैं। बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में स्वीमिंग पुल, इन्डोर स्टेडियम, आऊटडोर स्टेडियम आदि के निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार हुआ। बैठक में निदेशक श्री सिंह ने 'एकलव्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केन्द्रों' के विकास, 'आओ खेलो' योजना तथा 'खेलो इंडिया' योजना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राज्य की 'खेल नीति' में विश्वविद्यालयों को भी शामिल करते हुए यहाँ खेलकूद के विकास के प्रयास करने का सुझाव बैठक में प्राप्त हुआ।

बैठक में 'हर परिसर, हरा परिसर' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 15 जुलाई तक पर्याप्त संख्या में वृक्षारोपण कराने का निर्णय लिया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय अपने क्षेत्राधीन संबंधित वन प्रमंडल पदाधिकारियों से सम्पर्क कर वृक्षारोपण हेतु आवश्यक कार्रवाई करेंगे। बैठक में सेवान्त लाभ के मामलों के त्वरित निष्पादन एवं न्यायालय में विभिन्न विचाराधीन मामलों में ससमय प्रतिशपथ पत्र दाखिल किए जाने हेतु सम्यक् व्यवस्था बहाल किये जाने की भी विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की गई।

आयोजित कार्यशाला एवं बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, अपर सचिव श्री विजय कुमार, विषय–विशेषज्ञगण, बी॰एड॰ नोडल पदाधिकारीगण एवं राज्यपाल सचिवालय के सभी वरीय अधिकारी आदि उपस्थित थे।

.....